तकनीक • सीरी पिलानी के वैज्ञानिकों ने बनाया स्कैनर, निर्माण के लिए जयपुर की रील से किया समझौता

दूध में यूरिया, नमक या डिटर्जेंट की मिलावट 25 सैकंड में पता चलेगी

भास्कर न्यूज | पिलानी

दूध में मिलावट आम बात है, लेकिन अब केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान पिलानी (सीरी) ने अपनी तकनीकी में और सुधार करते हुए एक ऐसा रैपिड क्षीर स्कैनर बनाया है जो इसमें मिलाए गए हानिकारक कैमिकल जैसे यूरिया, नमक, सोडा, डिटर्जेंट और अमोनियम सल्फेट जैसे पदार्थों की 25 सेकंड से भी कम समय में पता लगा लेगा। खास बात ये है कि यदि दूध में 0.1 प्रतिशत यूरिया की मिलावट भी की गई है तो यह मशीन उसका पता लगा लेगी। सीरी की ओर से इसके निर्माण के लिए आरईआईएल जयपुर के साथ समझौता किया। इस मौके संस्थान निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने कहा कि सीरी पिलानी ने अपनी पूर्व में विकसित क्षीर स्कैनर टेक्नोलॉजी में सुधार करते हुए रैपिड क्षीर स्कैनर का विकास किया है। इस मौके रील के प्रबंध निदेशक राकेश चौपड़ा ने कहा कि आरईआईएल द्वारा बड़े पैमाने पर इस युक्ति का निर्माण किया जाएगा और देशभर में इसका संस्थापन किया जाएगा। इस संबंध में निरंतर उपलब्ध कराई जा रही प्रौद्योगिकी सहायता के लिए भी सीरी की सराहना की। समझौता पर सीरी की ओर से मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख, टीबीडी डॉ अभिजीत कर्माकर तथा आरईआईएल की ओर से डॉ पीएन शर्मा, अपर महाप्रबंधक ने हस्ताक्षर किए।

पिलानी. जयपुर में हुआ समझौता पत्र दिखाते अधिकारी।

ऐसे करेगी काम : रैपिड क्षीर स्कैनर इलेक्ट्रो कैमिकल एनालिसिस सिद्धांत पर काम करता है और तेजी से दूध में मौजूद मिलावटी तत्वों की पहचान कर लेता है। यह ग्रीन टेक्नोलॉजी है और इसमें मिलावटी तत्वों का पता लगाने के लिए किसी रसायन का प्रयोग नहीं किया जाता है। इसमें लगा सेन्सर भी सीरी ने ही डिजाइन, विकसित और निर्मित किया है। इससे पूर्व इस तरह की मिलावट पता लगाने के लिए सीरी ने क्षीर स्कैनर बनाया था। नई तकनीकी उसका ही विकसित रूप है। यह एक तरह से एक मशीन है। जो डेयरी, दूध संग्रहण केंद्रों आदि पर लगाई जा सकती है।